कमाने लायक पूंजी निवेश

इस लेख की शुरुरात हम कबीर दास जी के दोहे से करना चाहते है फिर देखेगें कि आज के समय की माँग क्या है ? उस संर्धभ मे उसको देखेगे ।

गौ धन गज धन वाज धन और रतन धन खान
जब आबे संतोष धन सब धन धूरी समान ।

पर इससे पहले हम संतोष धन तक पहुचें ब्हुत से ऐसे धनो के विनियोगो से गुजरना होता है जो साधारण विनियोगो (Investments) से कीं ज्यादा लाभप्रद है उसमें समय का नुकसान भी बहुत कम होता है । धन भी बहुत कम लगाना होता है । आइये देखें वह कौन कौन से विनियोग है । सबसे पहले जो ध्यान मे आ रहे है हम उनके बारे मे नचिे लिख रहे है आप भी उस क्रम को आगे वढा सकते है ।

1. शेयर वजार - सभी जानते है कि यह कितना घातक है आपको क्षणो मे करोड पति से फकीर बना सकता है क्योकि यह दूसरो के बन्धन मे है ।
2. स्वास्थ - इसमे विनियोग किया धन कभी भी बेकार नही जाता है ।
3. पढाई - समे विनियोग किया धन कई गुना होकर मिलता है ।
4. अनुभव - जिसे व्यवारिक ज्ञान भी कहते है जो हमे जीवन से मिलता है संचित होता जाता है और उसमे जीवन भर कभी भी उतार नहीं आता है ।
5. किताबे - हमे किताबे जरुर पढनी चाहिये कया जाने कौन से पल मे कौन सा शब्द या वाक्य हमारा जीवन ही बदल दे । हम हमेशा आगे वढें एसा प्रयास करना चाहिये ।यह ज्ञान भी हमेशा हमारे साथ रहता है इसमे कभी कमी नही आती है ।
6. र्पयटन - इससे भी हम बहुत कुछ सीखने को मिलता है हमारा दृष्टिकोण विभिन्न लोगो व स्थानो के प्रति वदलता वा बढता रहता है जो हमेशा हमारे व्यवहार को बदलता रहेगा और हम जैसे लोग खाते है रहते है पहनते है हम उनको जो हमसे फरक है उनको उसी तरह से देख पाते है ।
7. परिवार - परिवार के बारे मे यह स्पष्ट है कि जैसे हाथ मे पांच उंगलिया होती है अंगूठे को मिलाकर, उनका अपना अपना कार्य है उसी तरह हम अलग अलग होकर भी एक एकाई काम कर सकते है यदि परिबार का मुखिया उसका ठीक संचालन करता रहें ।
8. आध्यात्मिकता - हमेसे प्रत्येक अपने वनाने वाले से जुडा है जो हर क्षण मे, हर स्थान मे ,हर स्थिति मे ,हमे जीवन शक्ति प्रदान करता है ताकि हम हर आने वाली परिस्थिति का समना कर सकें । जब हम ध्यान मे बैठकर इस शक्ति के बारे मे सोचतें है तो हमे और शांति भी मिलती और शक्ति भी । यही हमारे जीवन का सबसे बडा विनियोग है । जो कबीर दास जी ने अपने उर्पयुक्त दोहे मे कहा है ।

इस अखिरी विनियोग के द्वारा हम अपनी सभी समस्याओ पर विजय प्राप्त सकते है । तभी हम अपने जीन के महत्व का पत चलेगा कि हम कहाँ से आये थे और कहाँ जाना है । जीवन एक उर्जा है जो हमे उर्जा सौत्र से मिली है (भगवान , GOD , Allah , etc.) जब उर्जा व्यय हो जायेगी हमारा काम इस प्रथ्वी पर पूरा हो जायेगा और हम जो उर्जा के अंश है, अपने सौत्र मे मिल जायेगें । इसीलिये हम इस आध्यात्मिक उर्जा का संचय नही कर सकते है । इसका अनउपयोग भी नही कर सकते है , पर यह हमारा सबसे उपयोगी धन विनियोग है जीवन को जीने के लिये।

पहले विनियोग को छोडकर बाकी सभी विनियोगो मे कभी कोई घाटा नही होता है लाभ ही लाभ है । अन्त मे यही कहा जा सकता है कि अन्य सात धन विनियोगो मे अधिक ध्यान दे अपी ही नही आन वाली सात पीढियों का भी जीवन बदल जायेगा । पहले विनियोग पर भी ध्यान दे पर बाकी अन्य भी कम महत्वपूर्ण नहीं है जीवन मे, उन पर भी ध्यान अवश्य दें। आशय यह है इस लेख का कि यही नही जीवन का सारा समय पहले विनियोग मे ही लगा दे अन्य जो ज्यादा लाभकारी है उसके लिये समय ही नही बचे । बरना आपका जीवन ही व्यर्थ चला जायेगा । पर इसका मतलव यह नही है कि धन उर्पाजन महत्व पूर्ण ही नही, वरन वहुत जरुरी है । गोस्वामी तुलसी दास जी ने कहा है

दरिद्र समान नही कुछ दुख जग नाही ।

1-16-2007 उमेश रश्मि रोहतगी नोवी मिचिगन अमरीका - भारत यात्रा के दौरान

Umesh Rashmi Rohatgi 24161 Nilan Drive Novi MI USA (248) 471 –5786

Email:rurohatgi@tyahoo.com Web page : www.rurohatgi.com